JIO TO ROLLOUT 5G IN 2021

In a major fillip to the Govt's move on its Atmanirbhar Bharat drive, Jio's announcement that it has developed its own 5G technology has set a major buzz in the markets. Jio will offer its home-grown technology to other telecom companies. India is keen to keep Huawei and ZTE out of the 5G deployment in India. The US has is keen to exclude Huawei and UK Govt recently banned the purchase of Huawei 5G equipment.

"Jio's Made-in-India 5G solution will be ready for trials as soon as 5G spectrum is available and can be ready for field deployment next year," RIL chairman Mukesh Ambani said in a speech at the company's annual general meeting. "Because of Jio's converged, all-IP network architecture, we can easily upgrade our 4G network to 5G. Once Jio's 5G solution is proven at India-scale, Jio Platforms would be well positioned to be an exporter of 5G solutions to other telecom operators globally, as a complete managed service."

India's 5G trials and spectrum auctions have been delayed. And India, just like it was late to 4G, is a late entrant to 5G networks. Globally some countries have deployed operation in 5G services and is available to consumers, whereas many other are already doing field trials for the next-generation network.

Jio is currently working with South Korea's Samsung for its pan-India 4G LTE and IoT (internet of things) networks. It also works with players like Nokia for its wireline network.

Vietnam's Viettel plans to construct 5G networks based on its own software and hardware. The 5G networks are a high-investment and low-margin business. Jio could be looking to develop its 5G network and put it in the cloud and this can be used by other telcos. ■

2021 में 5 जी प्रस्तुत करेगा जियो

अपने आत्मनिर्भर भारत अभियान पर सरकारी कदम का जबरदस्त समर्थन करते हुए जियो ने घोषणा की है कि उसने अपनी 5जी तकनीकी विकसित कर ली है, इसके साथ ही यह बाजार में चर्चा का विषय बन गया। जियो अन्य टेलीकॉम कंपनियों को अपनी घरेलू तकनीकी की पेशकश करेगा। भारत, हुवाई व जेडटीई को देश में 5जी प्रस्तुतिकरण से दूर रखना चाहता है। यूएस भी हुवाई को हटाने को ईच्छुक है और यूके सरकार ने हालही में हुवाई 5जी उपकरण की खरीदी को प्रतिबंधित कर दिया था।

कंपनी की सालाना आम बैठक में आरआईएल के अध्यक्ष मुकेश अंबानी ने बताया कि 'जियो का मेड-इन-इंडिया 5जी समाधान 5जी स्पेक्ट्रम उपलब्ध होते ही ट्रायल के लिए और अगले साल यह फिल्ड तैनाती के लिए तैयार हो सकता है। जियो के कन्वर्ज्ड, संपूर्ण आईपी नेटवर्क संरचना के चलते हम अपने 4 जी नेटवर्क को आसानी से 5जी में अपग्रेड कर सकते हैं। एक बार जियो का 5जी समाधान भारत के पैमाने पर सिद्ध हो जाता है तो जियो प्लेटफार्म पूरी तरह से प्रबंधित सेवा के रूप में विश्वभर में अन्य दूरसंचार ऑपरेटरों को 5जी समाधानों का निर्यातक बनने के लिए अच्छी स्थिति में होगा।'

भारत में 5जी परीक्षणों और स्पेक्ट्रम नीलामी में देरी हुई है। भारत जैसा कि 4जी के लिए देर से आया वैसे ही वह 5जी नेटवर्कों के लिए देर से जागा। विश्वस्तर पर कई कंपनियों ने 5जी संचालन की शुरूआत कर दी है और यह उपभोक्ताओं के लिए उपलब्ध है, जबकि कई अन्य ने अगली पीढ़ी के नेटवर्क के लिए पहले ही फिल्ड परीक्षण की शुरूआत कर दी है।

जियो मौजूदा में अपने पूरे भारत 4जी एलटीई और आईओटी (इंटरनेट ऑफ थिंग्स) नेटवर्क के लिए दक्षिण कोरिया की सैमसंग के साथ काम कर रहा है। यह अपने वायरलाइन नेटवर्क के लिए नोकिया जैसी कंपनियों के साथ भी काम कर रहा है।

वियतनाम की विटेल ने अपने खुद के सॉफ्टवेयर व हार्डवेयर पर आधारित 5जी नेटवर्क को बनाने की योजना बनायी है। 5जी नेटवर्क उच्च निवेश और कम मार्जिन वाला व्यवसाय है। जियो अपने 5जी नेटवर्क को विकसित करने और इसे क्लाउड में डालने की ओर देख रहा है जिससे कि अन्य टेल्को द्वारा भी इसका इस्तेमाल किया जा सकता है। ■